मंगलवार

16 जून 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 143
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

हेमकुंड यात्रा से लौट रहे सिख यात्रियों और स्थानीय लोगों में खूनी संघर्ष

धारदार हथियार चले, कुछ घायल

❑बदरीनाथ हाईवे पर लगाया जाम

हमारे संवाददाता

चमोली। कर्णप्रयाग में बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर आज सुबह उस समय तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई जब यात्रा पर आए सिख समुदाय के कुछ यात्रियों और स्थानीय लोगों के बीच मामूली बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई और घटना ने हिंसक रूप ले लिया। जिसमें कुछ लोगों के घायल होने के समाचार है।

जानकारी के अनुसार विवाद के दौरान कुछ यात्रियों द्वारा धारदार हथियार का इस्तेमाल किए जाने का आरोप है। घटना में एक स्थानीय व्यापारी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके सिर पर गंभीर चोट आई है। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। वहीं घटना की सूचना फैलते ही स्थानीय व्यापारियों और क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने पुलिस चौकी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया और बदरीनाथ हाईवे पर जाम लगा दिया। इसके चलते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति को बिगड़ता देख प्रशासन ने एहतियातन कई यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया। क्षेत्र में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। अधिकारी लगातार स्थानीय लोगों और व्यापारियों से वार्ता कर माहौल को शांत करने का प्रयास कर रहे हैं।

घटना के बाद स्थानीय व्यापार मंडल और नागरिकों ने प्रशासन के समक्ष कई मांगें रखी हैं। धार्मिक यात्राओं के दौरान धारदार हथियारों और अन्य घातक शस्त्रों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। स्थानीय व्यापारी पर हमला करने वाले आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। यात्रा मार्गों और सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाया जाए ताकि कोई भी व्यक्ति हथियार लेकर देवभूमि में प्रवेश न कर सके। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति को नियंत्रित करने में जुटे हुए हैं। प्रशासन का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा घटना में शामिल लोगों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही हाईवे पर यातायात को जल्द सामान्य करने के प्रयास भी जारी हैं।

'कमजोर कड़ियों' को मजबूत करने में जुटी भाजपा-कांग्रेस

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भाजपा और कांग्रेस ने अभी से अपनी चुनावी रणनीति को धार देना शुरू कर दिया है। दोनों दलों का सबसे बड़ा फोकस उन विधानसभा सीटों पर है, जहां पिछली बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा जहां अपनी हारी हुई सीटों और बूथों की समीक्षा कर जीत की हैट्रिक का रास्ता तलाश रही है, वहीं कांग्रेस उन सीटों को दोबारा जीतने और भाजपा के गढ़ में सेंध लगाने की रणनीति बना रही है। भाजपा ने विशेष रूप से हारे हुए बूथों पर फोकस करने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का अभियान शुरू किया है।

प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में अभी कई महीने शेष हैं, लेकिन प्रदेश की राजनीति में चुनावी बिसात बिछनी शुरू हो गई है। सत्ता में बैठी भाजपा और विपक्षी कांग्रेस दोनों ने अपनी पिछली हार का पोस्टमार्टम शुरू कर दिया है। दोनों दलों के रणनीतिकार उन विधानसभा

❑सत्ता विरोधी लहर को मात देने के लिए भाजपा की पैनी नजर, तो वापसी के लिए कांग्रेस का आक्रामक रुख

क्षेत्रों की फाइलें खंगाल रहे हैं, जहां पिछली बार हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती सत्ता विरोधी माहौल को नियंत्रित करने और लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की है। पार्टी नेतृत्व मानता है कि यदि पिछली बार हारी हुई सीटों और कमजोर बूथों पर प्रदर्शन सुधारा गया तो 2027

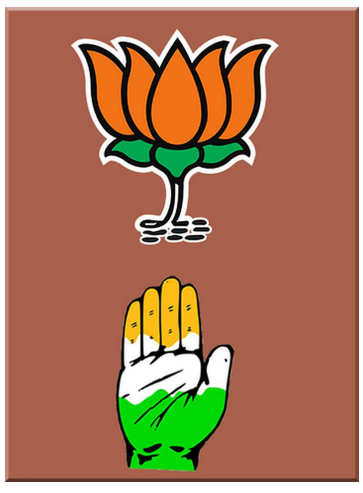

का चुनाव अपेक्षाकृत आसान हो सकता है। इसी कारण संगठन स्तर पर बूथों की समीक्षा, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और स्थानीय समीकरणों का आकलन किया जा रहा है।

दूसरी ओर कांग्रेस को विश्वास है कि भाजपा सरकार के खिलाफ बढ़ती जन असंतुष्टि, बेरोजगारी, पलायन, महंगाई और अधूरे वादों के मुद्दे उसे राजनीतिक बढ़त दिला सकते हैं। कांग्रेस उन सीटों पर विशेष ध्यान दे रही है जहां पिछली बार जीत का अंतर कम रहा था। पार्टी स्थानीय नेताओं को सक्रिय करने और क्षेत्रीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की रणनीति पर काम कर रही है। भाजपा संगठन ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि चुनावी जीत का रास्ता बूथों से होकर गुजरता है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने हारे हुए बूथों और सीटों का विस्तृत विश्लेषण शुरू किया है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में उन कारणों की समीक्षा की जा रही है जिनकी वजह से पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था। स्थानीय नाराजगी, गुटबाजी, टिकट वितरण और संगठनात्मक कमजोरियों को चिन्हित किया जा रहा है।

संगठन पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को गांव-गांव जाकर फीडबैक लेने की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा की कोशिश है कि चुनाव से पहले किसी भी प्रकार की नाराजगी को दूर कर एकजुटता का संदेश दिया जाए। कांग्रेस भी इस बार कोई मौका गंवाना नहीं चाहती। पार्टी ने उन सीटों की सूची तैयार की है जहां जीत का अंतर बेहद कम रहा था। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि यदि संगठन को मजबूत किया गया और स्थानीय मुद्दों को सही ढंग से उठाया गया तो कई सीटों पर तस्वीर बदल सकती है। प्रदेश नेतृत्व लगातार जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में बैठकों के जरिए कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने में जुटा है। कांग्रेस की रणनीति भाजपा सरकार के खिलाफ जनभावनाओं को चुनावी समर्थन में बदलने की है।

दोनों दलों में संभावित उम्मीदवारों के प्रदर्शन पर भी नजर रखी जा रही है।

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दून वैली मेल

संपादकीय

भाजपा के पीछे अंकिता का भूत

उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी कांड के दोषी तथाकथित वह वीआईपी जो उसकी हत्या के मुख्य कारक हैं उन्हें कोई सजा हो न हो लेकिन भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौड़ को तो जेल की सलाखों के पीछे भिजवा ही दिया है। यह अलग बात है कि अंकिता की हत्या से उनका और उनकी प्रेमिका अथवा पत्नी उर्मिला सनावर का दूर-दूर तक भी कोई सरोकार नहीं है। उनके आपसी झगड़े के बाद सनावर ने जिन ऑडियो वीडियो को सार्वजनिक कर सुरेश राठौड़ को बड़ी मुसीबत में फंसा ही दिया है भाजपा को अपना बचाव करने का भी एक हथियार दे दिया है। राठौर ने सनावर से वह सारी बातें जो कही गई थी जिनके सार्वजनिक होने पर प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम जिन्हें गट्टू कहा गया था के साथ अन्य कई लोग भी इसकी जांच के दायरे में शामिल हुए और भाजपा के लिए इस पूरे मामले में मुश्किलों को बढ़ाते रहे उस पर कार्रवाई का एक बड़ा कारण बने हैं। 2027 का विधानसभा चुनाव अब दूर नहीं है भाजपा को अच्छी तरह से मालूम है कि विपक्ष इस मुद्दे पर उसे छोड़ने वाला नहीं है। इस मामले में तीन आरोपियों को सजा हो चुकी है और वह जेल से बाहर नहीं आ सके हैं। भाजपा नेता अपने बचाव में अब तक यही कहते रहे हैं कि किसी को भी बक्शा नहीं जाएगा वह चाहे अपने हो या अन्य कोई भी। अब सुरेश राठौड़ को जेल भिजवाकर उसने अपने तर्क को और भी मजबूत कर लिया है लेकिन इसके बाद भी वह एक सवाल कि उस वीआईपी पर कार्यवाही कब होगी जो उत्तराखंड की देवभूमि संस्कृति को कलंकित कर रहे थे। इस पर भाजपा अब तक लीपापोती ही करती रही है। अभी बीते दिनों जब दुष्यंत गौतम की उत्तराखंड में लंबे समय के ब्रेक के बाद वापसी का प्रयास किया गया और उस पर विपक्ष के हंगामें के बाद फिर उन्हें दूर रखने पर मजबूर होना पड़ा था उससे यह समझा जा सकता है कि भाजपा इस मामले को किसी भी तरह निपटाना चाहती है लेकिन इसके जितने भी प्रयास किये जा रहे हैं स्थिति उतनी ही बिगड़ती जा रही है। राठौर के खिलाफ की गई कार्रवाई उनकी गिरफ्तारी और जेल भेजे जाने से भी यह मामला शांत होने वाला नहीं है। इस मामले की सीबीआई जांच की मांग लंबे समय से की जा रही है। यह मुद्दा भाजपा के लिए 2027 के चुनाव में सबसे बड़ा सरदर्द बनता जा रहा है। इसके साथ ही अपने आप को चाल चरित्र वाली पार्टी और राज्य के डेमोग्राफी चेंज मामले में सख्त रुख अपनाने वाली वर्तमान सरकार अंकिता भंडारी जैसे हत्याकांड तथा राज्य में होने वाली हिंदू मुस्लिम की राजनीति के कारण सही मायने में कहां खड़ी है? यह सवाल अत्यंत ही महत्वपूर्ण हो चला है। अंकिता भंडारी कांड राज्य के डेमोग्राफी चेंज से तो कहीं नहीं जुड़ता है लेकिन इस एक हत्याकांड ने देवभूमि की संस्कृति में आने वाली विकृतियों को जरूर सामने लाकर खड़ा कर दिया है। राज्य को दूसरा गोवा और स्विट्जरलैंड बनाने की बात अब प्रदेश के आम लोग तक करते देखे जा सकते हैं। राज्य में जो बात धार्मिक पर्यटन से शुरू हुई थी वह मौज मस्ती वाले पर्यटन तक पहुंचती दिख रही है लेकिन इस पर गौर करने को कोई तैयार नहीं है।

आंदोलनकारियों ने मनाया विपुल नौटियाल का जन्मदिवस

संवाददाता

देहरादून। आंदोलनकारियों ने वरिष्ठ आंदोलनकारी व अधिवक्ता विपुल नौटियाल का जन्म दिवस धूमधाम से मनाया।

आज वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी और अधिवक्ता विपुल नौटियाल का जन्म दिवस राज्य आंदोलनकारियो एवम् अधिवक्ताओं द्वारा शहीद स्थल पर मनाया गया। सर्व प्रथम उत्तराखण्ड के अमर शहीदो को विन्रम श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर समाजसेवी कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने सभी उत्तराखंड वासियों से शहीदों और राज्य आंदोलनकारी साथियो के सपने के अनुरूप राज्य बनाने में सहयोग कि अपील की। उन्होंने विपुल नौटियाल एडवोकेट राज्य आंदोलनकारी के सामाजिक कार्यों कि सराहना की तथा उनके द्वारा वर्ष में अपनी सम्पूर्ण पेंशन समाज के जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहयोग में अर्पित करने के लिए धन्यवाद किया। इस अवसर पर वरिष्ठ आंदोलनकारी अधिवक्ता एम एस रावत, बी एस बिष्ट, एम एस नेगी, विनोद असवल, प्रभात डंडरियाल, रवींद्र सिंह, राजेश ममगाई, नेहा, महेंद्र बिष्ट, शाहिद राजा आदि आंदोलनकारी एवं अधिवक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

भाजपा-कांग्रेस के लिए नाक और साख की जंग

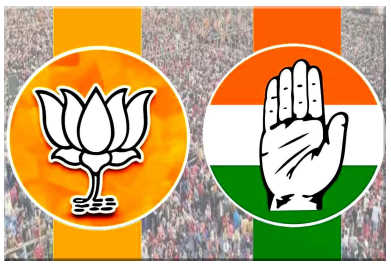

❑विधानसभा चुनाव में भाजपा-कांग्रेस की सबसे बड़ी परीक्षा

❑उत्तराखंड चुनाव 2027 है सत्ता से ज्यादा प्रतिष्ठा की लड़ाई

❑भाजपा बचाएगी साख, कांग्रेस तलाशेगी वापसी का रास्ता

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 अब केवल सत्ता हासिल करने की लड़ाई नहीं रह गया है, बल्कि प्रदेश की दो प्रमुख राजनीतिक पार्टियों भाजपा और कांग्रेस के लिए नाक और साख का सवाल बनता जा रहा है। एक तरफ भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटकर नया राजनीतिक इतिहास रचने की कोशिश में है, तो दूसरी ओर कांग्रेस एक दशक से चले आ रहे सत्ता के सूखे को समाप्त कर अपनी खोई राजनीतिक जमीन वापस पाने की चुनौती से जूझ रही है। चुनाव में अभी समय है, लेकिन राजनीतिक गतिविधियां जिस तेजी से बढ़ रही हैं, उससे साफ है कि दोनों दल इस मुकाबले को प्रतिष्ठा की लड़ाई मानकर चल रहे हैं। प्रदेश से लेकर दिल्ली तक बैठकों का दौर चल रहा है और संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है।

उत्तराखंड बनने के बाद राज्य की राजनीति में सत्ता परिवर्तन का इतिहास रहा है। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि प्रदेश में हर चुनाव में सरकार बदलती है। लेकिन 2022 में भाजपा ने इस मिथक को तोड़ते हुए लगातार दूसरी बार सरकार बनाई। अब भाजपा की नजर तीसरी बार सत्ता हासिल करने पर है। यदि पार्टी ऐसा करने में सफल रहती है तो यह उत्तराखंड की राजनीति में एक नया अध्याय होगा। मुख्यमंत्री, सरकार और संगठन सभी चुनावी तैयारी में जुट गए हैं। सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के साथ-साथ संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जा रहा है। भाजपा के लिए यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि लगातार तीसरी जीत पार्टी की नीतियों, संगठन और नेतृत्व पर जनता की मुहर मानी जाएगी।

दूसरी तरफ कांग्रेस के सामने अस्तित्व और साख की चुनौती है। 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद पार्टी लगातार सत्ता से बाहर है। ऐसे में 2027 का चुनाव कांग्रेस के लिए केवल राजनीतिक मुकाबला नहीं बल्कि अपनी प्रासंगिकता साबित करने का अवसर भी है। कांग्रेस को उम्मीद है कि बेरोजगारी, पलायन, महंगाई, भर्ती घोटाले, भू-कानून और क्षेत्रीय मुद्दों के सहारे वह जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत कर सकती है। पार्टी नेतृत्व लगातार कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और संगठन को नई ऊर्जा देने में जुटा है। यदि कांग्रेस इस चुनाव में भी सत्ता तक नहीं पहुंच पाती है तो पार्टी के सामने संगठनात्मक और राजनीतिक चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। यही वजह है कि कांग्रेस नेतृत्व इस चुनाव को बेहद गंभीरता से ले रहा है।

उत्तराखंड का चुनाव केवल प्रदेश नेतृत्व तक सीमित नहीं है। भाजपा और कांग्रेस दोनों के केंद्रीय नेतृत्व की नजर भी इस चुनाव पर है। भाजपा के लिए यह प्रधानमंत्री और पार्टी नेतृत्व की लोकप्रियता को बरकरार रखने की परीक्षा होगी, जबकि कांग्रेस के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपने पुनरुत्थान की रणनीति को मजबूती देने का अवसर। इसी कारण दोनों दलों के राष्ट्रीय नेता लगातार उत्तराखंड की राजनीतिक गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। संगठनात्मक बैठकों और चुनावी तैयारियों में दिल्ली की सक्रियता साफ दिखाई दे रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2027 का चुनाव मुद्दों, नेतृत्व और संगठनात्मक क्षमता की संयुक्त परीक्षा होगा। भाजपा जहां अपने विकास कार्यों और योजनाओं के आधार पर जनता का विश्वास दोबारा हासिल करना चाहेगी, वहीं कांग्रेस सरकार विरोधी माहौल को अपने पक्ष में भुनाने की कोशिश करेगी। फिलहाल इतना तय है कि उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 दोनों दलों के लिए प्रतिष्ठा की सबसे बड़ी राजनीतिक लड़ाई बन चुका है। भाजपा के लिए सत्ता बचाना और कांग्रेस के लिए सत्ता में लौटना केवल चुनावी लक्ष्य नहीं, बल्कि नाक और साख का सवाल बन गया है।

दिल्ली से देहरादून तक मंथन

●संगठन को धार देने में जुटे भाजपा और कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता

●बूथ से सत्ता तक का गणित, भाजपा-कांग्रेस की बैठकें हुई तेज

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 भले अभी दूर हो, लेकिन राजनीतिक दलों ने चुनावी तैयारी का बिगुल बजा दिया है। सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस दोनों ही संगठन को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ लगातार बैठकें कर रहे हैं। देहरादून से लेकर दिल्ली तक बैठकों का दौर जारी है, जिसमें बूथ प्रबंधन, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, क्षेत्रीय समीकरण और चुनावी रणनीति पर मंथन किया जा रहा है। भाजपा और कांग्रेस दोनों यह समझ चुकी हैं कि उत्तराखंड जैसे छोटे राज्य में चुनावी जीत का आधार मजबूत संगठन ही होता है। यही वजह है कि दोनों दल चुनावी मैदान में उतरने से पहले अपनी संगठनात्मक कमजोरियों को दूर करने में जुटे हैं।

भाजपा ने मिशन 2027 के तहत बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने की रणनीति तैयार की है। प्रदेश नेतृत्व लगातार राष्ट्रीय पदाधिकारियों और केंद्रीय नेताओं के साथ बैठकें कर रहा है। पार्टी का जोर उन बूथों और विधानसभा क्षेत्रों पर है जहां पिछले चुनावों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं हो पाया था। भाजपा नेतृत्व कार्यकर्ताओं को यह संदेश देने में जुटा है कि विधानसभा चुनाव में जीत की नींव बूथों पर ही रखी जाएगी। इसके लिए बूथ समितियों का पुनर्गठन, पन्ना प्रमुखों की सक्रियता और सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं और मंत्रियों को भी अलग-अलग क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपे जाने की चर्चा है। संगठन का लक्ष्य चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भरना और किसी भी प्रकार की गुटबाजी को समाप्त करना है। कांग्रेस भी आगामी चुनाव को सत्ता में वापसी के अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व की मौजूदगी में लगातार संगठनात्मक बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और जिला स्तर पर समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि यदि संगठन मजबूत रहा तो सरकार के खिलाफ जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जा सकेगा। इसी कारण पार्टी बूथ स्तर तक अपनी इकाइयों को सक्रिय करने और निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को फिर से जोड़ने की कोशिश कर रही है। राष्ट्रीय नेताओं के साथ बैठकों में प्रदेश के राजनीतिक हालात, स्थानीय मुद्दों और संभावित चुनावी चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा हो रही है। पार्टी विशेष रूप से युवा, महिला और सोशल मीडिया नेटवर्क को मजबूत करने पर भी फोकस कर रही है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों के केंद्रीय नेतृत्व की सक्रियता बढ़ना इस बात का संकेत है कि चुनाव को गंभीरता से लिया जा रहा है। दोनों दलों के लिए उत्तराखंड प्रतिष्ठा का चुनाव बनने जा रहा है। भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने का रिकार्ड बनाना चाहती है, जबकि कांग्रेस एक दशक बाद सत्ता में वापसी का सपना देख रही है। ऐसे में संगठनात्मक मजबूती ही दोनों दलों की सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गई है।

आने वाले महीनों में दोनों दलों के राष्ट्रीय नेताओं के उत्तराखंड दौरे बढ़ सकते हैं। कार्यकर्ता सम्मेलन, प्रशिक्षण शिविर, जनसंवाद कार्यक्रम और संगठनात्मक बैठकें चुनावी माहौल को और तेज करेंगी। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि चुनावी जंग भले 2027 में होनी है, लेकिन उसकी बुनियाद अभी से रखी जा रही है। उत्तराखंड की राजनीति में फिलहाल मुद्दों से ज्यादा संगठन की मजबूती पर जोर दिखाई दे रहा है। भाजपा और कांग्रेस दोनों यह मानकर चल रही हैं कि मजबूत संगठन ही 2027 की सत्ता की चाबी साबित होगा।

'पहाड़ की पहचान-विरासत बचाने को एकजुटता जरूरी'

हल्द्वानी(आरएनएस)। रुद्राक्ष बैंक्वेट हॉल में रविवार को पहाड़ी आर्मी उत्तराखंड ने पहाड़ी जन सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम में बच्चों और महिलाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार गणेश पाठक, समाजसेवी संतोष नेगी और कैप्टन वीर चंद बसेरा ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पहाड़ की भाषा, संस्कृति, खान-पान और प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए समाज को एकजुट होकर कार्य करना होगा। वक्ताओं ने कहा कि हजारों वर्षों पुरानी परंपराओं, पहाड़ी भाषाओं, गो संरक्षण, मूल निवासियों के रोजगार, जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखना होगा।

पहाड़ी आर्मी के संस्थापक अध्यक्ष हरीश रावत ने कहा कि पहाड़ी समाज को अपनी पहचान और संस्कृति बचाने के लिए फिर से सामूहिक लड़ाई लड़नी होगी। उन्होंने संगठन के विस्तार और गांव-गांव तक विचारधारा पहुंचाने पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष राम पांडे और पूर्व शिक्षिका रमा भट्ट ने किया। सम्मेलन में संगठन के प्रदेश सचिव दीपा पांडे, जिला अध्यक्ष फौजी राजेंद्र कांडपाल, जिला अध्यक्ष महिला प्रेमा मेर आदि रहे।

पिथौरागढ़ के 23 केंद्रों में हुई समूह ग की स्नातक स्तरीय परीक्षा

पिथौरागढ़(आरएनएस)। नगर में समूह ग की स्नातक स्तरीय परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई,परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने सख्ती दिखाई। परीक्षा में 60.13 प्रतिशत परीक्षार्थी उपस्थित व 39.87 प्रतिशत अभ्यर्थी अनुपस्थि रहे। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से स्नातक स्तरीय परीक्षा नगर के 23 केंद्रों में संपन्न हुई। परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर छात्र-छात्राओं की गहन जांच की गई।

एडीएम योगेंद्र सिंह ने बताया कि जनपद में आदर्श जीजीआईसी मूनाकोट,बीएलएस जीजीआईसी ऐंचोली,दया सागर इंटर कॉलेज,दयानंद इंटर कॉलेज,डॉन बॉस्को स्कूल,जीआईसी आठगांवशिलिंग,जीआईसी भडकटिया,जीआईसी पीपलकोट,इंटर कॉलेज सातसिलिंग,मानस एकेडमी,एलडब्ल्यूएस जीआईसी इंटर कॉलेज,एलएसएम कैंपस,जीजीआईसी पिथौरागढ़,मिशन इंटर कॉलेज,एसआईटी,न्यू बीयरशिवा,पीएनएफ,पीएमश्री केएनयू,एसडीएस,सोर वैली पब्लिक स्कूल,एशियन एकेडमी,विवेकानंद विद्या मंदिर को परीक्षा केंद्र बनाया गया था,जिसमें 6 हजार 796 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 4 हजार 87 अभ्यर्थी उपस्थित रहे,2 हजार 709 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

अस्पताल भवन निर्माण सामग्री से क्षतिग्रस्त हुई नाली

उत्तरकाशी(आरएनएस)। नगर के व्यस्ततम मार्गों में शामिल विश्वनाथ चौक से जिला अस्पताल रोड तक नाली व्यवस्था बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों का आरोप है कि जिला अस्पताल परिसर में चल रहे निर्माण कार्य के दौरान निर्माण सामग्री नालियों में जमा होने से जल निकासी व्यवस्था प्रभावित हो गई है। कई स्थानों पर नालियां क्षतिग्रस्त भी हो चुकी हैं जिससे बरसात का पानी सड़क पर बह रहा है।रविवार को दोपहर बाद हुई बारिश के दौरान विश्वनाथ चौक के आसपास पानी जमा हो गया।

लोगों का कहना है कि यदि समय रहते नालियों की सफाई और मरम्मत नहीं की गई तो मानसून के दौरान हालात और गंभीर हो सकते हैं। क्षेत्र के व्यापारियों को आशंका है कि तेज बारिश होने पर पानी दुकानों में घुस सकता है, जिससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। स्थानीय निवासी संजय , राजेंद्र पंवार, मुकुल आदि का कहना है कि यह मार्ग जिला अस्पताल को जोड़ता है और रोजाना बड़ी संख्या में मरीज, तीमारदार और आम लोग यहां से गुजरते हैं।

सड़क पर बहता पानी और जलभराव आवाजाही में परेशानी पैदा कर रहा है। वहीं, अस्पताल रोड से आगे नीचे की तरफ निर्माण सामग्री फैली पड़ी है और उसके ऊपर रेहड़ी ठेलियां लगाई जा रही है। इस कारण मार्ग संकरा होने और बरसात में जल भराव की स्थिति से वहां से वाहनों की आवाजाही मुश्किल हो गई है। लोगों ने नगर पालिका और संबंधित विभाग से तत्काल नालियों की सफाई, मरम्मत और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ ही सड़क से अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

'मिक्सी' के शोर में खो गया पहाड़ के 'सिलबट्टे' का स्वाद

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ की रसोई केवल भोजन बनाने की जगह नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और स्वाद का संगम है। इस रसोई की पहचान रहे सिलबट्टे की खट-खट की आवाज आज भले कम सुनाई देती हो, लेकिन इसके स्वाद की चर्चा आज भी गांव से लेकर शहर तक होती है। पहाड़ के घरों में कभी हर दिन सिलबट्टे पर मसाले, नमक, लहसुन, हरी मिर्च और भांग के बीज पीसे जाते थे। इनसे बनने वाली चटनियों और व्यंजनों का स्वाद ऐसा होता था कि खाने वाला उंगलियां चाटता रह जाए।

सिलबट्टा केवल एक पत्थर नहीं, बल्कि पहाड़ की पाक परंपरा का अभिन्न हिस्सा रहा है। पहाड़ी महिलाएं सुबह-सुबह सिल पर मसाले पीसती थीं। मसालों के पिसने के साथ ही उनकी खुशबू पूरे घर में फैल जाती थी। यही वजह थी कि पहाड़ के भोजन में एक अलग ही सोंधापन और प्राकृतिक स्वाद महसूस होता था। सिलबट्टे पर मसाले पीसने से उनमें मौजूद प्राकृतिक तेल और सुगंध बरकरार रहती है। मिक्सर की तेज गति से पैदा होने वाली गर्मी मसालों के स्वाद और खुशबू को कुछ हद तक प्रभावित कर देती है, जबकि सिलबट्टे पर धीरे-धीरे पिसे मसाले अपना मूल स्वाद बनाए रखते हैं। यही कारण है कि सिलबट्टे की चटनी और मिक्सर की चटनी के स्वाद में साफ अंतर महसूस होता है।

उत्तराखंड की प्रसि(भांग की चटनी, तिल की चटनी, लहसुन-मिर्च का नमक

❑भांग के बीज, लहसुन और हरी मिर्च के साथ सिलबट्टे पर पिसे नमक का स्वाद आज भी यादों में जिंदा, आधुनिक दौर में भी हैं लोग पहाड़ के इस पारंपरिक और सेहतमंद स्वाद के मुरीद

और भांगजीरा से तैयार मसाले जब सिलबट्टे पर पिसते हैं तो उनमें एक अलग ही स्वाद पैदा होता है। पहाड़ के बुजुर्ग आज भी दावा करते हैं कि सिलबट्टे पर पिसी भांग की चटनी का मुकाबला कोई आधुनिक मशीन नहीं कर सकती। गांवों में आज भी कई घर ऐसे हैं जहां पारंपरिक व्यंजन बनाते समय सिलबट्टे का इस्तेमाल किया जाता है। शादी-ब्याह और विशेष अवसरों पर बनने वाले व्यंजनों के लिए लोग आज भी सिलबट्टे को प्राथमिकता देते हैं। इसका कारण केवल स्वाद नहीं, बल्कि उससे जुड़ी भावनाएं और पारंपरिक पहचान भी है।

हालांकि बदलती जीवनशैली और समय की कमी के कारण सिलबट्टे की जगह मिक्सर ने ले ली है, लेकिन इसके बावजूद पहाड़ की नई पीढ़ी भी पारंपरिक स्वाद को पहचानने लगी है। कई लोग गांव जाने पर सिलबट्टे पर बनी चटनी और मसालों का स्वाद लेने की इच्छा रखते हैं। यही वजह है कि कुछ परिवारों ने आज भी अपनी रसोई में सिलबट्टे को संभालकर रखा हुआ है।

सिलबट्टा पहाड़ की उस विरासत का प्रतीक है, जो बताती है कि स्वाद केवल मसालों में नहीं, बल्कि उन्हें तैयार करने की प्रक्रिया में भी छिपा होता है। आधुनिकता की दौड़ में भले सिलबट्टे की खट-खट धीमी पड़ गई हो, लेकिन उसके स्वाद की मिठास आज भी लोगों की यादों में जिंदा है।

ओबीसी समाज ने राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की उठाई मांग

हरिद्वार(आरएनएस)। मध्य हरिद्वार स्थित एक धर्मशाला में आयोजित ओबीसी समाज की बैठक में समाज से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। बैठक में वक्ताओं ने राजनीतिक क्षेत्र में ओबीसी समाज की भागीदारी बढ़ाने की मांग उठाते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में समाज के प्रतिनिधि को टिकट देने की पैरवी की। सैन धर्मशाला के महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि ओबीसी समाज को अपने अधिकारों के लिए संगठित होना होगा। उन्होंने कहा कि जहां समाज को 27 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए था, वहां केवल 14 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। बैठक में जेपी चाहर, संजय सैनी, पीयूष चौधरी, योगेंद्र सिंह, राजाराम प्रजापति, पार्षद अनुज सिंह, रवींद्र कुमार, विजयपाल सिंह, सुनील कुमार, सुधीर कुमार सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

सदाचार से ही समाज और राष्ट्र का उत्थान संभव- मुनि अभय चैतन्यानंद

पौड़ी(आरएनएस)। प्रसिद्ध सिद्धपीठ डांडा नागराजा मंदिर में आयोजित अष्टादश महापुराण श्रीमद्भागवत कथा एवं महायज्ञ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। कथा के छठवें दिन कथा वाचक मुनि अभय चैतन्यानंद महाराज ने नैतिकता, सदाचार और सत्याचरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यही मूल्य व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के उत्थान का आधार हैं। उन्होंने कहा कि नैतिकता और सदाचार मनुष्य के व्यक्तित्व की पहचान होते हैं। वेदों, उपनिषदों और धर्मग्रंथों में सदाचार को सुख और मानवता का आभूषण बताया गया है।

उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्यों के बिना आत्मोन्नति संभव नहीं है और समाज में सम्मान और प्रतिष्ठा भी अच्छे आचरण से ही प्राप्त होती है। उन्होंने भावी पीढ़ी को नैतिक रूप से सशक्त बनाने पर बल देते हुए कहा कि बच्चों को प्रारंभ से ही नैतिक शिक्षा देना हम सभी की जिम्मेदारी है।

डांडा नागराजा धर्मक्षेत्र विकास समिति के संस्थापक सुभाष चंद्र देशवाल ने बताया कि सोमवार को कथा के समापन अवसर पर पूर्णाहुति सहित भंडारा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर ज्येष्ठ प्रमुख कोट एवं मंदिर समिति के उपाध्यक्ष उपेंद्र भट्ट, अध्यक्ष कमलेश चमोली, सचिव राजेंद्र प्रसाद बिजल्वाण, संयोजक बीरेंद्र प्रसाद भट्ट, मुख्य पुजारी किशोर देशवाल, विनोद देशवाल, आनंद नागोई आदि मौजूद रहे।

श्रीनगर में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार, प्रशासन ने जांची व्यवस्थाएं

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। चारधाम यात्रा के दौरान ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने श्रीनगर नगर निगम क्षेत्र के पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध पाया गया। साथ ही यात्रियों की सुविधा के लिए पानी, हवा व अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी संतोषजनक मिलीं।पूर्ति निरीक्षक विजय कुमार केंतुरा ने रविवार को भक्तियाना स्थित एनआईटी क्षेत्र से लेकर फरासू तक संचालित पांच पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि किसी भी पेट्रोल पंप पर पेट्रोल व डीजल की कमी नहीं पाई गई है और सभी स्थानों पर ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है।

उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा सीजन के दौरान श्रीनगर क्षेत्र के सभी पेट्रोल पंपों को मिलाकर प्रतिदिन करीब 30 हजार लीटर पेट्रोल और 30 हजार लीटर डीजल की खपत हो रही है। इसके बावजूद सभी पेट्रोल पंपों पर लगभग 60 हजार लीटर पेट्रोल और 60 हजार लीटर डीजल का भंडार उपलब्ध है जिससे यात्रियों और स्थानीय उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। निरीक्षण के दौरान पेट्रोल पंपों पर पेयजल, हवा भरने की सुविधा व अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित मिलीं। पूर्ति निरीक्षक ने कहा कि चारधाम यात्रा को देखते हुए विभाग पूरी सतर्कता बरत रहा है और ईंधन आपूर्ति पर लगातार नजर रखी जा रही है। विजय कुमार केंतुरा ने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नियमित निगरानी की जा रही है। वर्तमान में सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है व किसी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है।

फ्रिज में प्लास्टिक और कांच की बोतल में से किसमें पानी रखना होता है बेहतर?

पानी को स्टोर करने के लिए प्लास्टिक और कांच की बोतल, दोनों का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, जब बात फ्रिज में पानी स्टोर करने की आती है तो इस पर काफी चर्चा होती रहती है। कुछ लोग कहते हैं कि प्लास्टिक की बोतल में पानी रखना हानिकारक है, वहीं कुछ लोग कांच की बोतल को बेहतर मानते हैं। आइए जानते हैं कि फ्रिज में पानी स्टोर करने के लिए कौन-सी बोतल का इस्तेमाल करना चाहिए।

प्लास्टिक की बोतल में पानी स्टोर करना सुरक्षित है?

प्लास्टिक की बोतल में पानी स्टोर करना सुरक्षित है या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस तरह की प्लास्टिक का इस्तेमाल कर रहे हैं। अगर आप बिना हानिकारक रसायनों वाली प्लास्टिक का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह सुरक्षित है। हालांकि, सस्ती और घटिया गुणवत्ता की प्लास्टिक में नुकसानदायक रसायन होते हैं, जो पानी में मिल सकते हैं और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

कांच की बोतल का चयन करना

कांच की बोतल एक अच्छा विकल्प हो सकता है, क्योंकि यह बिना किसी हानिकारक रसायन के होती है। इसके अलावा कांच की बोतलें लंबे समय तक चलती हैं और इनमें रखा पानी ताजा भी लगता है। हालांकि, कांच की बोतलें भारी होती हैं और टूटने का खतरा अधिक होता है, इसलिए इन्हें संभालते समय सावधानी बरतें। इसके साथ ही इन्हें धोकर साफ रखना भी जरूरी है, ताकि इनमें बैक्टीरिया न पनप सकें।

प्लास्टिक बनाम कांच- कौन-सी बोतल है बेहतर?

अब सवाल यह है कि प्लास्टिक और कांच में से कौन-सी बोतल बेहतर है? इसका जवाब देना मुश्किल है, क्योंकि दोनों के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। अगर आप लंबे समय तक चलने वाला समाधान चाहते हैं तो कांच की बोतल बेहतर है, लेकिन अगर आप यात्रा के दौरान या ऑफिस में आसानी से इस्तेमाल करना चाहते हैं तो प्लास्टिक एक अच्छा विकल्प है। सबसे जरूरी है कि आप हमेशा बिना हानिकारक रसायनों वाली प्लास्टिक का ही चयन करें।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

प्लास्टिक की बोतल में मौजूद कुछ रसायन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। ये रसायन पानी में मिल सकते हैं और शरीर में जाकर कई समस्याएं पैदा कर सकते हैं। इसके विपरीत कांच की बोतलें पूरी तरह से सुरक्षित होती हैं और इनमें रखे पानी का स्वाद भी प्रभावित नहीं होता। इसलिए, स्वास्थ्य के लिहाज से कांच की बोतल अधिक सुरक्षित मानी जाती है। प्लास्टिक की बोतलों में प्लास्टिक के महीन कण भी घुल जाते हैं।

पर्यावरणीय प्रभाव

प्लास्टिक की बोतलों का इस्तेमाल पर्यावरण के लिए हानिकारक होता है, क्योंकि ये आसानी से नष्ट नहीं होतीं और जमीन पर कई साल तक पड़ी रहती हैं। इससे प्रदूषण बढ़ता है और जलीय जीव-जंतु भी प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर कांच की बोतलें दोबारा इस्तेमाल की जा सकती हैं और इन्हें लंबे समय तक चलाया जा सकता है। इसलिए, पर्यावरण के लिए कांच की बोतलें बेहतर विकल्प साबित होती हैं।

रीढ़ की हड्डी को लचीला और मन को शांत बनाता है मारीच्यासन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर लोग तनाव, कमर दर्द और पाचन संबंधी समस्याओं से परेशान हैं। ऐसे में योग एक आसान और कारगर तरीका है, जो शरीर को लचीला बनाता है और मन को शांत रखता है। इसी कड़ी में मारीच्यासन एक ऐसा योगाभ्यास है, जिसके नियमित अभ्यास से रीढ़ की हड्डी लचीली होने समेत कई तरह की शारीरिक समस्याओं से निजात मिलता है। मारीच्यासन को मारीचि ऋषि के नाम पर जाना जाता है। मारीच्यासन शब्द संस्कृत से बना है। इसमें मारीच का अर्थ प्रकाश की किरण (सूर्य या चंद्रमा की किरण) होता है और आसन का अर्थ बैठने की मुद्रा या फिर योग की स्थिति होती है। इस आसन के नियमित अभ्यास करने से यह आसन कंधों, कमर, गर्दन और पैरों की मांसपेशियों को स्ट्रेच करता है। साथ ही पाचन तंत्र पर भी सकारात्मक असर डालता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, मारीच्यासन मेरुदंड (रीढ़ की हड्डी) में लचीलापन बढ़ाने, पाचन क्रिया में सुधार करने और मधुमेह के प्रबंधन के लिए एक प्रभावी योगासन है। यह आसन शरीर में कार्य क्षमता को पुनर्जीवित करता है। इसके नियमित अभ्यास से रक्त संचार (ब्लड सर्कुलेशन) बेहतर होता है, तनाव कम होता है और पेट के कई अंग सक्रिय होते हैं, जैसे लिवर, किडनी, प्लीहा, पेट, अग्न्याशय, छोटी आंत, पित्ताशय और प्रजनन तंत्र।

इसे करना बेहद आसान है। इसे करने के लिए सबसे पहले जमीन पर दंडासन की मुद्रा में बैठ जाएं। अब अपना दाहिना घुटना मोड़ें और बाएं हाथ को दाहिनी जांघ के बाहर रखें। सांस को छोड़ते हुए दाईं ओर मुड़ें और पीछे की तरफ देखें। संभव हो, तो हाथों को पीठ के पीछे पकड़ें। 5-10 गहरी सांसें लेकर दूसरी तरफ दोहराएं। शुरुआत में आसन को धीरे-धीरे और योग शिक्षक की देखरेख में करें। सांस पर पूरा ध्यान दें, जल्दबाजी न करें। नियमित योग से न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि मानसिक शांति भी मिलती है। यह आसन शरीर को लचीला बनाता है और मन को शांत रखता है। वहीं, सही तरीके से सांस लेना और ध्यान केंद्रित करना इस आसन का सबसे बड़ा रहस्य है। हालांकि, यह आसन करने से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं, लेकिन गर्भवती महिलाएं, गंभीर कमर दर्द या हाल ही में सर्जरी हुई हो तो डॉक्टर से सलाह लें।

एप्पल साइडर सिरका से फ्रीजी बालों से मिलेगा छुटकारा

फ्रिज़ी बाल सभी प्रकार के बालों के लिए सबसे बड़ी समस्याओं में से एक हैं। जब आप घर से बाहर निकलते हैं तो पहले अपने बालों को सही दिखने के लिए बहुत प्रयास करते हैं। लेकिन केवल 2 मिनट बाद जब आप किसी दुकान की खिड़की पर अपना प्रतिबिंब देखते हैं तो आप देख सकते हैं कि आपके बाल एक चिड़िया का घोंसला हो गए हैं। इसकी वजह फ्रिज़ी बाल होते हैं, और हम में से बहुत सारे लोग हैं, जो इस परेशानी से हर दिन लड़ते हैं और अपने बालों की प्राकृतिक बनावट को दोष देते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है फ्रिज़ी बाल बस थोड़ी ज्यादा देखभाल मांगते हैं और इस समस्या से निपटने के लिए आपको किसी महंगे हेयर प्रोडक्ट्स की जरूरत नहीं है, बल्कि आपकी रसोई में रखे कुछ सामान आपकी मदद कर सकते हैं। तो चलिए हम आपको बताते हैं रूखे और बेजान बालों को चमकदार और मुलायम बनाने के लिए किन-किन सामग्रियों का इस्तेमाल करना होगा।

एप्पल साइडर सिरका घुंघराले बालों के लिए सबसे अधिक घरेलू उपचार में से एक है। एप्पल साइडर सिरका एक प्रकार का सिरका है जो सेब या साइडर से बनाया जाता है। यह पोटेशियम और एसिटिक एसिड से समृद्ध है। एप्पल साइडर विनेगर में मौजूद एसिड फ्रिज़ की मरम्मत करेगा और क्षतिग्रस्तबालों को नया जीवन देगा। अपने बालों को शैम्पू करने के तुरंत बाद, पानी की समान मात्रा में एप्पल साइडर सिरका मिलाएं। इसे हाथों की मदद से बालों में लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें। उसके बाद ठंडे पानी से धो लें।

बीयर रूखे और बेजान बालों के लिए बहुत अच्दी है, और इसका उपयोग प्राकृतिक कंडीशनर के रूप में भी किया जाता है। हॉप्स, माल्ट और यीस्ट से तैयार होने के कारण, इसमें कई पौष्टिक पोषक तत्व, विटामिन और खनिज होते हैं जो बालों के लिए बहुत अच्छे हैं। यह सबसे प्रभावी एंटी-फ्रिज़ उपचार में से एक है। अपने बालों को धोने के बाद, इसे बीयर से धोएं और 2-3 मिनट के लिए छोड़ दें। उसके बाद, बीयर की गंध को दूर करने के लिए 4-5 बार ठंडे पानी से बालों को धो लें। इससे आपके बाल बाउंसी और शाइनी हो जाएंगे।

बालों के लिए घर पर बने सबसे अच्छे ब्यूटी टिप्स में अंडे शामिल होने चाहिए। अंडे विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन के, विटामिन बी 6, विटामिन ए, कोलेजन, कैल्शियम, फोलेट, फॉस्फोरस और सेलेनियम से भरपूर होते हैं। अंडे सबसे अच्छी गुणवत्ता वाला प्रोटीन प्रदान करते हैं, हमारी हड्डियों की रक्षा करते हैं और स्वस्थ बालों और नाखूनों को बढ़ावा देते हैं। एक चम्मच बादाम का तेल और एक अंडे की जर्दी मिलाएं। मिश्रण को पूरे बालों में लगाएं। इसे 30 मिनट के लिए छोड़ दें और इसके बाद पानी से धो लें।

एवोकैडो आधारित हेयर मास्क फ्रिज़ी बालों के लिए सबसे प्रसिद्ध हेयर मास्क में से एक है। एवोकैडो विटामिन ई से भरपूर होता है, जो फ्रिज़िनेस को ठीक करने में मदद करता है, और यह त्वचा की कोशिकाओं को ऑक्सीकरण से भी बचाता है। यह ओमेगा 3 फैटी एसिड का एक बड़ा स्रोत है जो घुंघराले और क्षतिग्रस्त बालों को सुधारने में मदद करता है। ओमेगा 3 फैटी एसिड आवश्यक फैटी एसिड माना जाता है। 1 कप मेयोनेज़ और आधा एवोकैडो से एक पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को अपनी उंगलियों से अपने बालों पर लगाएं। 30 मिनट के लिए छोड़ दें और उसके बाद बालों को शैम्पू करें।

केला विटामिन ए, सी और ई, प्राकृतिक तेलों, कार्बोहाइड्रेट, पोटेशियम, जस्ता और लोहे का एक बड़ा स्रोत है। यह रूखे बेजान बालों को ठीक करने में मदद करता है। यह बालों को चमकदार और मुलायम बनाता है। एक केला, 3 बड़े चम्मच दही, गुलाब जल की कुछ बूंदें और एक चम्मच नींबू का रस मिलाएं। अपने बालों पर हेयर पैक लगाएं। इसे 60 मिनट के लिए छोड़ दें और उसके बाद ठंडे पानी से धो लें।

शहद, रूखे और बेजान बालों के लिए सबसे प्रसिद्ध घरेलू उपचारों में से एक है। यह एंटीऑक्सिडेंट से समृद्ध है। शहद घुंघराले और क्षतिग्रस्त बालों के लिए बेहद फायदेमंद है। यह एक प्राकृतिक मॉइस्चराइज़र और हेयर कंडीशनर के रूप में कार्य करता है, जिससे बाल नरम और शाइनी हो जाते हैं। 4-5 चम्मच दूध के साथ दो बड़े चम्मच शहद मिलाएं। अपनी उंगलियों का उपयोग करके इसे बालों पर लगाएं। 30 मिनट के लिए छोड़ दें और उसके बाद बालों को शैम्पू करें।

मेहंदी सूखे और घुंघराले बालों के लिए सबसे उपयोगी हर्बल उपचारों में से एक है। 1 कप चाय की पत्ती के पानी में 3-4 चम्मच मेहंदी पाउडर मिलाएं। थोड़ा दही भी डालें और इन सभी को एक साथ मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। पेस्ट को हेयर मास्क की तरह लगाएं और अधिक से अधिक लाभ के लिए रात भर छोड़ दें। सुबह इसे माइल्ड शैंपू के साथ धो लें।

शब्द सामर्थ्य -038

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

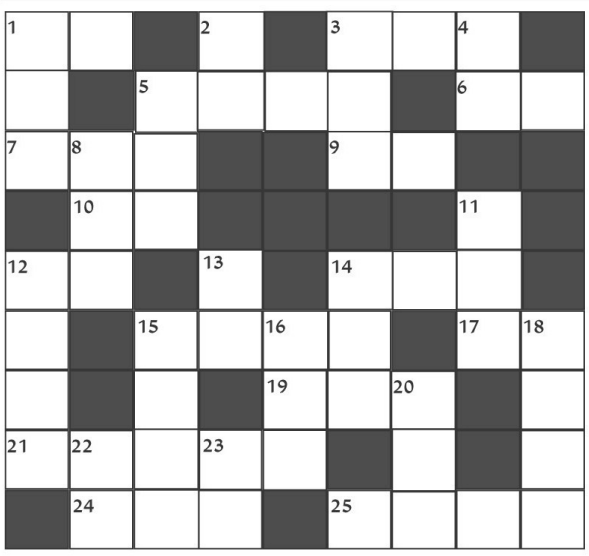

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 37 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

अमर अकबर एंथोनी की रिलीज के 49 साल पूरे

कुछ फिल्में सिर्फ मनोरंजन नहीं करतीं बल्कि इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाती हैं। एक ऐसी ही सदाबहार ब्लॉकबास्टर फिल्म अमर अकबर एंथोनी 1977 में रिलीज हुई थी, जिसने बुधवार को अपने 27 साल पूरे कर लिए हैं। इस फिल्म के निर्देशक मनमोहन देसाई थे।

अभिनेत्री नीतू कपूर ने फिल्म की रिलीज के 49 साल पूरे होने की इंस्टाग्राम पर खुशी जाहिर की। उन्होंने स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म का पोस्ट शेयर कर निर्देशक का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, अमर अकबर एंथोनी 27 मई 1977 को रिलीज हुई थी, जिसके लिए निर्देशक मनमोहन देसाई का दिल से शुक्रिया। ब्लॉकबस्टर हिंदी एक्शन-कॉमेडी फिल्म अमर अकबर एंथोनी आज भी उतनी ही पसंद की जाती है, जितनी रिलीज के समय की जाती थी। तीन भाइयों की यह अनोखी कहानी भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी कल्ट क्लासिक और ब्लॉकबस्टर मसाला फिल्मों में से एक है। फिल्म में नीतू कपूर (नीतू सिंह) ने डॉ. सलमा अली का किरदार निभाया था। वह फिल्म में एक दयालु और समझदार मुस्लिम डॉक्टर की भूमिका में हैं और अभिनेता ऋषि कपूर के साथ उनकी प्रेम कहानी दिखाई गई है।

इस फिल्म में तर्क पर भावना और ड्रामा को प्राथमिकता दी गई। फिल्म में एक्शन, कॉमेडी, रोमांस और शानदार गानों का ऐसा मिश्रण पेश किया गया जिसने बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। फिल्म में विनोद खन्ना (अमर), ऋषि कपूर (अकबर) और अमिताभ बच्चन (एंथोनी) ने मुख्य भूमिका निभाई।

यह फिल्म बचपन में बिछड़े तीन भाइयों की कहानी है, जिन्हें तीन अलग-अलग धर्मों के परिवारों ने पाला। अंततः वे एक साथ मिलकर अपने दुश्मन का पर्दाफाश करते हैं। यह फिल्म अपने शानदार संगीत, एक्शन, कॉमेडी और एकता में अनेकता के संदेश के लिए भारतीय सिनेमा के इतिहास में मील का पत्थर मानी जाती है।

अभिनेत्री नीतू कपूर हाल ही में कॉमेडी-ड्रामा फिल्म दादी की शादी में नजर आई थीं, जिसका निर्देशन आशीष आर. मोहन ने किया है। फिल्म में नीतू कपूर, कपिल शर्मा और आर. सरथकुमार मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके साथ ही नीतू कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी ने इस फिल्म से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया है

इंस्पेक्टर अविनाश को असली अविनाश मिश्रा से मिला प्यार!

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों क्राइम और पुलिस अधिकारियों की सच्ची कहानियों पर बनी सीरीज दर्शकों को खूब पसंद आ रही हैं। इन्हीं में से एक है अभिनेता रणदीप हुड्डा की वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश, जिसने दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। यह कहानी असली पुलिस अधिकारी अविनाश मिश्रा की जिंदगी से प्रेरित है, जिसका किरदार रणदीप हुड्डा ने निभाया है। अब इस सीरीज को लेकर एक ऐसा पल सामने आया है, जिसने अभिनेता को भावुक कर दिया। दरअसल, रणदीप हुड्डा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खास तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में वह असली इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा के साथ नजर आ रहे है। दोनों एक-दूसरे के साथ मुस्कुराते हुए दिखाई दे रहे हैं। तस्वीरों में दोनों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिखाई दे रही है। एक तस्वीर में रणदीप और अविनाश मिश्रा साथ खड़े होकर कैमरे की ओर देख रहे हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में दोनों बातचीत करते और हंसते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों ने फैंस का दिल जीत लिया। तस्वीरों के साथ रणदीप हुड्डा ने कैप्शन में लिखा, जब असली इंस्पेक्टर अविनाश खुद को पर्दे पर देखकर खुश और गर्व महसूस करते हैं, तो इससे बड़ा सम्मान मेरे लिए कोई और नहीं हो सकता। इंस्पेक्टर अविनाश को मिल रहे प्यार के लिए मैं बेहद खुश हूं। पूरी टीम और कलाकारों को इसके लिए बधाई।

इस बीच इंस्पेक्टर अविनाश 2 के निर्देशक नीरज पाठक ने भी रणदीप हुड्डा की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया, रणदीप के साथ काम करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। वह अपने काम को लेकर इतने समर्पित रहते हैं कि अब दूसरे कलाकारों के साथ काम करते समय मुझे रणदीप जैसी मेहनत और लगन की कमी महसूस होती है। इंस्पेक्टर अविनाश में रणदीप हुड्डा के अलावा कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। उर्वशी रौतेला ने पूनम का किरदार निभाया है। वहीं अमित सियाल, शालिन भनोट, फ्रेडी दारूवाला और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकारों ने भी अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का ध्यान खींचा है।

शमा सिकंदर ने व्हाइट ऑफ शोल्डर ड्रेस में शेयर की बोल्ड फोटो!

एक्ट्रेस शमा सिकंदर अक्सर अपने लुक और ग्लैमरस अदाओं के चलते चर्चा में रहती हैं। वह अपनी एक्टिंग से ज्यादा अदाओं और बोल्डनेस को लेकर सुर्खियों बटोरती है। इसी राह में उन्होंने एक फोटो ऐसा शेयर किया है जिसपर फैंस की नजरें थमना तो बनती है। साथ ही फैंस का रिएक्शन भी जमकर सामने आ रहा है। चलिए शमा सिकंदर की लेटेस्ट फोटो दिखाते हैं।

एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नया लुक शेयर किया है। शमा सिकंदर ने अपने इंस्टाग्राम पर ग्लैमरस अंदाज दिखाते हुए अपनी एक फोटो शेयर की है। इस फोटो में एक्ट्रेस व्हाइट ऑफ शोल्डर ड्रेस में नजर आ रही हैं। ये लुक उनपर काफी जच रहा है।

शमा सिकंदर के हेयरस्टाइल की बात करें तो उन्होंने बालों को पीछे की तरफ बांधा हुआ है। मेकअप की बात करें तो उन्होंने अपने लुक के लिए ग्लोसी मेकअप को चुना है। इस पूरे लुक को उन्होंने जिस तरह कैरी किया है वह कमाल है। उनका कॉन्फिडेंस चार नहीं चालीस चांद लगा रहा है।

एक्ट्रेस की यह फोटो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है। फैंस उनके इस फोटो पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। 41 साल की उम्र में एक्ट्रेस ने खुद को काफी फिट रखा है। अदाओं के मामले में तो वह किसी भी एक्ट्रेस को टक्कर दे सकती हैं।

शमा ने टीवी से लेकर, बॉलीवुड और म्यूजिक वीडियो में भी काम किया है। उन्हें

सोनी टीवी के शो ये मेरी लाइफ है से लोकप्रियता हासिल मिली। वह बाल वीर और मैया-स्लेव ऑफ हर डिजायर्स सहित कई शो में काम कर चुकी हैं।

वह कई फिल्मों का हिस्सा भी रह चुकी हैं, जिसमें प्रेम अगन, मन, ये मोहब्बत है, अंश द डेडली पार्ट, बस्ती, धूम धड़ाका, कॉन्ट्रैक्ट और बायपास रोड शामिल हैं।

किसी ने भी नहीं सोचा था कि मैं 36 डेज में ग्रे किरदार निभाऊंगी - नेहा शर्मा

इल्लीगल, शाइनिंग विद द शर्मा जैसी वेब सीरीज के बाद एक्ट्रेस नेहा शर्मा 36 डेज को लेकर सुर्खियों में हैं। सीरीज में वह फराह का किरदार निभा रही हैं।

शो में अपनी कास्टिंग पर नेहा ने बात की। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी ने भी सोचा था कि मैं एक ग्रे किरदार निभा सकती हूं, इसलिए जब मेकर्स ने 36 डेज के लिए मुझसे बात की, तो मैं एक्टसाइटेड हो उठी। मैंने ओरिजनल बीबीसी शो 35 डेज का थोड़ा सा हिस्सा देखा था, और यह बिल्कुल दिमाग घुमाने वाला था।

उन्होंने कहा, जब उन्होंने मुझे इस फिल्म के लिए चुना, तो मैं इसका हिस्सा बनने के लिए बेताब थी। इस प्रोजेक्ट में शामिल होने का मैं बेसब्री से इंतजार कर रही थी। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि इस शो को लेकर दर्शक कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। उम्मीद करती हूं कि वे इसका आनंद लेंगे।

शो में पूरब कोहली, श्रुति सेठ, चंदन रॉय सान्याल, अमृता खानविलकर, शारिब हाशमी, सुशांत दिवगिकर, शेरनाज पटेल, फैजल राशिद, चाहत विग और केनेथ देसाई अहम रोल में हैं।

विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित, 36 डेज यूके शो 35 डेज का आधिकारिक भारतीय रूपांतरण है।

36 डेज का निर्माण बीबीसी स्टूडियोज इंडिया के सहयोग से अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है।

सीरीज सोनी लिव पर स्ट्रीम हो रही है।

बता दें कि, नेहा क्रूक, यमला पगला दीवाना 2, यंगिस्तान, तुम बिन 2, तान्हाजी और जोगीरा सारा रा रा जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं।

जागेश्वर धाम में यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर टैक्सी यूनियनों के साथ बैठक

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जागेश्वर धाम में बढ़ रही श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या को देखते हुए दन्या पुलिस ने टैक्सी संचालकों और वाहन चालकों के साथ बैठक कर यातायात व्यवस्था एवं यात्रियों की सुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर आयोजित बैठक में थानाध्यक्ष दन्या दिनेश नाथ महंत और चौकी प्रभारी जागेश्वर कमित जोशी ने आरतोला एवं पनुवानौला टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों और वाहन चालकों से संवाद किया। बैठक में टैक्सी संचालकों से कहा गया कि जागेश्वर धाम आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के साथ विनम्र एवं शिष्ट व्यवहार करें तथा उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न होने दें। साथ ही वाहनों का संचालन सावधानीपूर्वक करते हुए यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए गए।पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों को ओवरलोडिंग, तेज गति, शराब पीकर वाहन चलाने तथा निर्धारित किराये से अधिक वसूली जैसी गतिविधियों से दूर रहने की हिदायत दी। उन्होंने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम यातायात व्यवस्था और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस और टैक्सी संचालकों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी चर्चा की गई।

बिनसर वनाग्नि हादसे के शहीदों की पुण्यतिथि पर आयोजित हुई सभा

अल्मोड़ा(आरएनएस)। बिनसर वन्यजीव विहार क्षेत्र में 13 जून 2024 को वनाग्नि दुर्घटना के दौरान वन एवं पर्यावरण की रक्षा करते हुए शहीद हुए वन कर्मियों की स्मृति में शुक्रवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम बिनसर वन्यजीव विहार के प्रवेश द्वार स्थित स्वागत कक्ष में आयोजित हुआ, जहां वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय ग्रामीणों ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। सभा में वक्ताओं ने वनाग्नि नियंत्रण के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले वन कर्मियों के साहस, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान को याद किया। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को नमन किया। कार्यक्रम का संचालन वन दरोगा मोहित कुमार आर्या ने किया। इस अवसर पर वन क्षेत्राधिकारी मनोज सनवाल, स्वाति थापा, वन दरोगा अस्मिता सैनी, प्रशांत चंद, वन रक्षक महेंद्र सिंह मटेला, किरण त्रिवेदी, करन सिंह धामी, रिंकी नेगी, अमन, वाहन चालक नरेंद्र सिंह जीना, भुवन चंद्र पंत, भगवत सिंह भोज, कैलाश चंद्र भट्ट सहित वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि सभा में स्थानीय ग्रामीण प्रकाश राम, गोविंद सिंह, मोहन चंद्र जोशी सहित अन्य ग्रामीणों ने भी भाग लिया और शहीद वन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सू- दोकू क्र.038

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 37 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

खनन के विरोध में नदी में उतरे ग्रामीण,मशीन रुकवाई

बागेश्वर(आरएनएस)। बैजनाथ पुल के समीप नदी में बड़ी मशीनों से किए जा रहे खनन का तैलीहाट गांव के ग्रामीणों ने विरोध किया। आक्रोशित ग्रामीण नदी में उतर गए और मौके पर संचालित पोकलैंड मशीन को बंद करा दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि मानकों के विपरीत हो रहे खनन से गांव की सिंचाई योजना प्रभावित हो रही है, पैदल मार्ग बाधित हो गया है तथा बरसात के दौरान गांव और कृषि भूमि को खतरा पैदा हो सकता है। ग्रामीणों के अनुसार बैजनाथ पुल के पास नदी में बड़े पैमाने पर मशीनों से खनन किया जा रहा है, जिससे तैलीहाट की डाल सिंचाई योजना प्रभावित हुई है। साथ ही नदी से गांव को जोड़ने वाला रास्ता भी अवरुद्ध होने की स्थिति में पहुंच गया है। विरोध के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन से पूछा कि बड़ी पोकलैंड मशीनों से खनन की अनुमति किस आधार पर दी गई है।

ग्राम प्रधान पूजा मेहरा ने कहा कि खनन के कारण सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हुई है और गांव को जाने वाला मार्ग भी बाधित हो रहा है। ग्रामीण ठाकुर मेहरा ने बताया कि पैदल रास्ता अवरुद्ध हो चुका है तथा सिंचाई पंप योजना पर भी असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि इसी क्षेत्र में बच्चों का श्मशान घाट भी स्थित है, जो अत्यधिक खनन के कारण असुरक्षित हो गया है।

ग्रामीण तेज सिंह मेहरा का आरोप है कि पोकलैंड मशीनों से नदी तल की व्यापक खुदाई की गई है, जिससे सिंचाई योजना को नुकसान पहुंचा है और खेतों पर भी खतरा मंडरा रहा है। वहीं पुष्पा लोहनी ने कहा कि यदि बरसात में नदी का जलस्तर बढ़ा तो खेतों के बहने की आशंका बढ़ सकती है। इधर, एसडीएम गरुड़ वैभव कांडपाल ने बताया कि तैलीहाट-बैजनाथ पुल के पास नदी में हो रहे खनन की जांच के लिए टीम भेज दी गई है। उन्होंने कहा कि जांच में यदि खनन मानकों के विपरीत पाया गया तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

देवलसारी में तितलियों और जैव विविधता से रुबरु हुए छात्र

नई टिहरी(आरएनएस)। जौनपुर ब्लॉक के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल देवलसारी में छह दिवसीय तितली महोत्सव के चौथे दिन विभिन्न क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं ने देवलसारी पहुंचकर क्षेत्र के जैव विविधता के बारे में जाना। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। तितली महोत्सव के आयोजक व देवलसारी पर्यावरण संरक्षण एवं विकास समिति के निदेशक अरुण गौड़ ने बताया कि पहले दिन मुख्य वन संरक्षक गढ़वाल डॉ.धीरज पांडेय ने महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि देवलसारी जैसे प्राकृतिक और जैव विविधता से समृद्ध क्षेत्र में इको टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। स्थानीय समुदाय की भागीदारी से प्रकृति संरक्षण के साथ रोजगार के नए अवसर भी विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने पर जोर देते हुए ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। महोत्सव में प्रतिभाग करने के लिए तितली ट्रस्ट के संजय सोंधी, कृष्ण मेघ कुंटे सहित दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र के 10 छात्र-छात्राएं भी देवलसारी पहुंचे है।महोत्सव के आयोजक गौड़ ने बताया कि देवलसारी क्षेत्र में हिमालयन प्रोनिया, यलो ब्रेस्टेड, ग्रीन पिच, लोंग टेल मिनिविट, हिमालय ग्रिप्रिन, हिमालय ब्लैक लोर्ड टिट, ब्लैक फैगुलेन, लार्ज विल्ड क्रो, ब्राउन हुड आन, हिमालयन प्रनिया, यलो बेस्टेड, लाग टेल पक्षियों की प्रजातियां मौजूद हैं। इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रियंका देवी, मुरारी लाल, राजेश राणा, राज्य आंदोलनकारी सोमवारी लाल नौटियाल, गढ़वाली रामायण के लेखक देवेंद्र प्रसाद चमोली, केशर सिंह आदि मौजूद रहे।

84 उत्तराखंड वाहिनी एनसीसी के लिए गौरवशाली पल एक्स एसयूओ का भारतीय वायु सेना में अधिकारी के पद पर चयन

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बटालियन के एल्यूमिनी कैडेट एसयूओ सुमन जोशी का भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर के पद पर चयन हुआ है। सुमन जोशी भारतीय वायुसेना एकेडमी, हैदराबाद में 29 जून से ट्रेनिंग प्राप्त करेंगी।

सुमन एक फौजी परिवार से आती हैं, इनके पिता महेश चंद्र जोशी बंगाल इंजीनियर ग्रुप, रुड़की से सेवानिवृत्त है । एसयूओ सुमन जोशी द्वारा बीएसएम स्नातकोर महाविद्यालय, रुड़की की एनसीसी कैडेट रहते समय वर्ष 2024 में प्रतिष्ठित गणतंत्र दिवस समारोह, नई दिल्ली में उत्तराखंड राज्य का प्रतिनिधित्व किया गया व वर्ष 2024 में ही यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम, किर्गिस्तान में भी इनके द्वारा भारत के दल का नेतृत्व किया गया। सुमन जोशी अपने परिवार में बड़ी है व इनके अतिरिक्त एक छोटा भाई आयुष जोशी है जो होटल मैनेजमेंट कोर्स प्रथम वर्ष की पढ़ाई बेंगलुरु शहर से कर रहा है। इनकी माताजी श्रीमती नीमा जोशी ग्रहणी है व सुमन जोशी के चयन का पूर्ण श्रेय इनके माता-पिता के त्याग और बलिदान को जाता है।

बटालियन में आयोजित एक कार्यक्रम में कमान अधिकारी कर्नल जगदीश अलमिया द्वारा इन्हें इस उपलब्धि पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी गई व अन्य कैडेट्स के लिए एक प्रेरणा स्रोत बताया। बटालियन के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अमन कुमार सिंह द्वारा भारतीय वायुसेना में इनका चयन होना समस्त परिवार के लिए गौरवशाली पल बताया गया। कार्यक्रम में कार्यक्रम संयोजक रवि कपूर का विशेष योगदान रहा । इस अवसर पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी कु लता कंबोज, सूबेदार मेजर अमर सिंह, बीएचएम राजेन्द्र सिंह बिष्ट, सूबेदार सुनील सिंह, हवलदार जगत सिंह भंडारी, डीईओ संदीप, मीनाक्षी, सुनील भाई, विमल कुमार, रोहित डिमरी, सुभाष भाई, अनुज कुमार, रामकुमार, इत्यादि उपस्थित रहे।

मेधावी सम्मान समारोह में सौ छात्र-छात्राएं सम्मानित

रुड़की(आरएनएस)। कश्यप समाज के युवा नेता एवं समाजसेवी अंकुश राज के नेतृत्व में नगर निगम रुड़की के सभागार में मेधावी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर परिवार एवं समाज का नाम रोशन करने वाले कश्यप समाज के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए अंकुश राज ने कहा कि शिक्षा ही समाज को नई दिशा देने का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज के मेधावी विद्यार्थी ही कल समाज और देश का भविष्य निर्धारित करेंगे। इसलिए बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी सम्मानित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। अरविंद कश्यप ने कहा कि समाज की प्रगति शिक्षित युवाओं के माध्यम से ही संभव है। पूर्व राज्य मंत्री नेपाल सिंह ने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। पार्षद सचिन कश्यप एवं पूर्व पार्षद संजय कश्यप ने कहा कि मेधावी छात्रों का सम्मान समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करता है। सम्मानित विद्यार्थियों में शगुन कश्यप, सोनवीर सिंह कश्यप, दीया कश्यप, अमन कश्यप, ध्रुव कश्यप, युवा कश्यप सहित 100 से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल रहे। सभी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की गई। इस अवसर पर फकीरचंद कश्यप, अधिवक्ता अजय कश्यप, बॉबी कश्यप, शिवम कश्यप, आशीष कश्यप, संजय कश्यप सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में कश्यप एकता मंच की ओर से सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहने का संदेश दिया गया।

सोमवती अमावस्या स्नान पर्व सकुशल संपन्न, प्रशासन ने जताया आभार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व आस्था उमड़ी। अनुमानित 76 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने माँ गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। भारी भीड़ और व्यापक जनसमागम के बावजूद स्नान पर्व पूरी तरह सकुशल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सोमवती अमावस्या स्नान पर्व के सफल आयोजन पर समस्त श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, संत महत्माओं, पुरोहितों विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक संचालन तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं की व्यवस्थाओं में जुटाए गए कार्मिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन तथा व्यवस्थाओं के प्रभावी संचालन में पुलिस प्रशासन ने अत्यंत समर्पण, धैर्य और संवेदनशीलता के साथ कार्य किया, जिसके परिणामस्वरूप विशाल जनसमूह के बीच भी स्नान पर्व शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सका।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह सफलता प्रशासन, पुलिस विभिन्न सहयोगी विभागों के मध्य उत्कृष्ट समन्वय, सूक्ष्म योजना और निरंतर निगरानी का परिणाम है। स्नान पर्व के दौरान भीड़ प्रबंधन, यातायात संचालन, घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सेवाएं, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, आपदा प्रबंधन तथा निगरानी व्यवस्था को सक्रिय रखते हुए प्रत्येक स्तर पर सतर्कता बरती गई। उन्होंने उन सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना की जिन्होंने दिन-रात अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया। जिलाधिकारी ने कहा कि हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं के अनुशासन, सहयोग और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के पालन ने भी इस विशाल आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य के आयोजनों में भी इसी प्रकार का समन्वय और सहभागिता बनी रहेगी।

चोरी की स्कूटी के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की स्कूटी के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अधोईवाला निवासी ज्योति नेगी ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह बाहर आयी तो उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया। चैकिंग के दौरान पुलिस ने चैकिंग के दौरान पुलिस ने एक युवक को चोरी की स्कूटी के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम प्रद्युमन उर्फ प्रदीप थापा पुत्र गोपाल सिंह निवासी भगत सिंह कालोनी बताया।

घर के बाहर से स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खडी स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मालसी डियर पार्क निवासी राहुल गुसांई ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद बाहर आया तो उस की स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

'कमजोर कड़ियों' को मजबूत करने में ... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

जिन नेताओं की अपने क्षेत्रों में सक्रियता कम पाई जाएगी, उनके टिकट पर संकट खड़ा हो सकता है। पार्टी संगठन अब केवल राजनीतिक पहचान नहीं बल्कि जमीनी पकड़ और जनसंपर्क को भी टिकट का आधार बनाने की तैयारी में है। गढ़वाल और कुमाऊं के पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर तराई के मैदानी इलाकों तक राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। गांवों की चौपालों, बाजारों और सामाजिक आयोजनों में नेताओं की मौजूदगी बढ़ने लगी है। चुनाव भले दूर हो, लेकिन राजनीतिक दलों ने जनता के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज करानी शुरू कर दी है।

उत्तराखंड की राजनीति में यह दौर चुनावी तैयारी का पहला अध्याय माना जा रहा है। भाजपा अपनी सत्ता बचाने और इतिहास रचने की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस सत्ता में वापसी का अवसर तलाश रही है। फिलहाल दोनों दलों की नजर उन सीटों पर है जहां पिछली हार ने उन्हें सबक दिया था। आने वाले महीनों में यही सीटें चुनावी रणभूमि का सबसे बड़ा केंद्र बनने वाली हैं।

इन्दिरा मार्केट के व्यापारियों ने खजानदास से मिलकर कार्य शुरु करने की गुहार लगाई

संवाददाता

देहरादून। इन्दिरा मार्केट के व्यापारियों ने स्थानीय विधायक व मंत्री खजानदास से मुलाकात कर कार्य शुरू कराने की गुहार लगायी।

आज यहां इन्दिरा मार्किट रि-डैवलपमेंट प्लान के ठप्प पडे कार्य को पुनः शुरू करवाने एमडीडीए व सामक कम्पनी की वादा खिलाफी व सरकार के वायदे को पूरा करने के लिए रि-डैवलपमेंट प्लान से जुडे प्रभावितों ने स्थानीय विधायक व उत्तराखंड सरकार के मन्त्री खजानदास से भेंट की। उन्होंने धामी सरकार की घोषणा के बावजूद प्रभावितों से एमडीडीए व सामक कम्पनी द्वारा वायदा खिलाफी की शिकायत की तथा जल्द से जल्द परियोजना का कार्य पुनः शुरू करवाने का अनुरोध किया। खजान दास जल्द कार्य शुरू करवाने का वायदा किया। ज्ञातव्य है कि देहरादून के घंटाघर से सटी राजपुर रोड पर स्थित इंदिरा मार्केट, शहर के सबसे पुराने और व्यस्ततम व्यापारिक केंद्रों में से एक है। यह जगह हमेशा से अपनी संकरी गलियों, भीड़-भाड़ और अव्यवस्थित पार्किंग के लिए चर्चित रही है। पुनः वर्ष 2022 में इस बदहाल बाजार के पुनर्विकास की आधारशिला वर्तमान मुख्यमंत्री द्वारा रखी गई थी। योजना के अनुसार पुरानी दुकानों को तोड़कर यहां एक आधुनिक मल्टीलेवल कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है, मगर परियोजना शुरू से लेकर अब तक अब तक विवादों में रही है। यह पुर्नविकास योजना सालों 2016 में कांग्रेस सरकार के शासनकाल में शुरू हुई, किंतु प्रशासनिक सुस्ती, कार्यदायी संस्था सामक की भारी लापरवाही और सत्ता परिवर्तन के कारण यह लंबे अरसे तक अधर में लटकी रही। दिसंबर 2022 में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने 242 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास की शुरुआत का ऐलान किया, लेकिन प्रोजेक्ट की लागत धीरे-धीरे बढ़कर करीब 450 करोड़ रुपये हो गई है, जो पहले से ही बोझिल प्रशासनिक ढांचे पर आर्थिक दबाव का संकेत है। इस सबके विपरीत एमडीडीए का दावा है कि मार्च 2028 तक परियोजना पूरी हो जाएगी, लेकिन वर्तमान तस्वीर इसके विपरीत मौके काम ठप्प है और सन्नाटा पसरा हुआ है। तीन साल बीत जाने के बाद भी इस परियोजना कुल तीन महीने ही मुश्किल काम हो पाया है। निर्माणाधीन स्थल पर महज 3 से 4 श्रमिक नजर आते रहे हैं, जबकि यहां कम से कम 100 से 200 मजदूरों का होना आवश्यक है। आज वार्ता के दौरान प्रभावितों की ओर से अनन्त आकाश, लेखराज, सुरेन्द्र गुप्ता, दिनेश सती, अशोक सचदेवा, धर्मेंद्र कुमार, नीरज शर्मा , मुमताज, इमरान, मेहरबान,कुलबीर पाहुजा, मनमोहन, अनिल सिंह, गौरव शर्मा आदि शामिल थे।

पानी की टंकियों की मरम्मत और सफाई व्यवस्था करेगी ब्राह्मण महासभा

संवाददाता

देहरादून। अखिल भारतीय ब्रहामण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने कहा कि सभा शहर के मुख्य चौराहों पर पूर्व में लगी पानी की टंकियों की मरम्मत व रख रखाव करगी।

आज यहां मनमोहन शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी की अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा उत्तराखंड द्वारा पूर्व में मुख्य चौराहा घंटाघर, दिलाराम चौक, बिंदलपुल, नेहरू कॉलोनी, परशुराम चौक (फवारा चौक), सहारनपुर चौक, आईएसबीटी पुलिस चौकी के नजदीक पर गर्मी के प्रकोप को देखते हुए पानी की टंकियां को लगाया गया था जिनकी मरम्मत एवं सफाई महासभा द्वारा कराई गई। शर्मा ने कहा कि अखिल भारत ब्राह्मण महासभा उत्तराखंड आगामी समय में जनमानस के सहयोग से मुख्य चौराहा पर और टंकियां को भी लगाने का प्रयास किया जाएगा और हमेशा जनहित के कार्यों में समर्पित होकर व ब्राह्मणों को एकजुट करने एवं सनातन संस्कृति को जागृत करने के लिए रचनात्मक एवं जनमानस के हितों के लिए कार्य करती रहती है। इस अवसर पर पंडित मनमोहन शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष, पंडित उमाशंकर तीर्थ पुरोहित महासचिव, लालचंद शर्मा संरक्षक, गिरीश चंद्र उप्रेती कोषाध्यक्ष, योगेश कुमारी समाजसेवी, नीलम शर्मा कोषाध्यक्ष ,कल्याण चक्रवर्ती कार्यालय इंचार्ज, सुभाष, रामनिवास, सी एस जोशी ने अपनी पूर्ण भूमिका निभाई।

एमडीडीए उपाध्यक्ष से मिला संयुक्त नागरिक संगठन का प्रतिनिधिमंडल

संवाददाता

देहरादून। शहर की विभिन्न समस्याओं को लेकर संयुक्त नागरिक संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने एमडीडीए उपाध्यक्ष से मिलकर समस्याओं से अवगत कराया।

आज यहां शहर में उगते कंक्रीट के जंगल, घटती हरियाली, प्रदूषण, ट्रैफिक जाम से परेशान दूनवासियों की चिंताओं को लेकर संयुक्त नागरिक संगठन का एक शिष्टमंडल मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी तथा सचिव मोहन सिंह बनिया से मिला। अधिकारियों ने बताया की मास्टर प्लान 2041 में नए एलिवेटेडरोड, फ्लाईओवर, एक्सप्रेसवे आदि का निर्माण सहित नगर के भूजल के स्तर को बढ़ाने के लिए ग्रुप हाउसिंग सोसायटीज,औद्योगिक क्षेत्रों,शिक्षण संस्थानों हेतु योजनाएं बनाई गई हैं। संगठन द्वारा दिए गए लिखित सुझावों में मास्टर प्लान 2041 को हिंदी में तैयार करने,200 वर्गमीटर से बड़े सभी भवनों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग+ ग्रेवाटर रियूज को प्राधिकरण से नक्शा स्वीकृति की पूर्व-शर्त को शामिल किए जाने सहित ट्रैफिक में बाधक बाटल नेक आढ़त बाजार को भी तत्काल शिफ्ट किए जाने की भी मांग की।इन्होंने नगर में वाहनों के बढ़ते दबाव से रोजाना चारों तरफ लगते ट्रैफिक जाम के स्थाई समाधान हेतु शहर की सभी सड़कों के ऊपर चारों ओर एलिवेटेड रोड बनाकर इन्हें आपस में कनेक्ट किए जाने की मांग सहित सिटीजन प्लानिंग बोर्ड"गठित करने, अवैध निर्माण हेतु "फास्ट ट्रैक सेल"गठित करने की भी मांग की। शिष्टमंडल में गिरीश चंद्र भट्ट, मोहन सिंह खत्री, उमेश सक्सेना, देवेंद्र सिंह राणा, सुशील त्यागी, सत्य प्रकाश चौहान, ठाकुर शेर सिंह, अवधेश शर्मा, चंद्र किरण राणा शामिल थे।

उत्तराखंड में बढ़ी राजनीतिक हलचल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में विधानसभा चुनाव 2027 की आहट अब साफ सुनाई देने लगी है। कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी के प्रस्तावित उत्तराखंड दौरे से ठीक पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नितिन नवीन का अचानक मसूरी पहुंचना राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। भाजपा इसे संगठनात्मक कार्यक्रम और नियमित गतिविधि बता रही है, लेकिन राजनीतिक जानकार इसके समय और संदेश को लेकर कई मायने निकाल रहे हैं। मसूरी में नितिन नवीन की मौजूदगी ऐसे समय में सामने आई है जब कांग्रेस अपनी नई रणनीति के साथ संगठन को सक्रिय करने की तैयारी कर रही है। ऐसे में भाजपा अध्यक्ष का पहाड़ की राजनीति के केंद्र माने जाने वाले मसूरी में पहुंचना सियासी तौर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी का लक्ष्य लेकर चल रही है। पार्टी नेतृत्व बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं में उत्साह बनाए रखने के लिए लगातार बैठकों और संवाद कार्यक्रमों पर जोर दे रहा है। सूत्रों के अनुसार भाजपा नेतृत्व आगामी चुनाव को देखते हुए संगठनात्मक ढांचे की समीक्षा, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनसंपर्क अभियानों पर विशेष फोकस

❑कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी के दौरे से पहले भाजपा हुई सक्रिय

❑नितिन नवीन के मसूरी पहुंचते ही तेज हुई राजनीतिक चर्चाएं

कर रहा है। मसूरी दौरे को भी इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

दूसरी ओर कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी का उत्तराखंड दौरा भी संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी लंबे समय से सत्ता से बाहर है और 2027 के चुनाव को वापसी के अवसर के रूप में देख रही है। कांग्रेस नेतृत्व जिला और ब्लाक स्तर पर संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर करने और चुनावी रणनीति तैयार करने में जुटा है। प्रभारी के दौरे के दौरान संगठन की समीक्षा और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों पर चर्चा होने की संभावना है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मसूरी केवल पर्यटन नगरी ही नहीं बल्कि प्रदेश की राजनीति का भी महत्वपूर्ण केंद्र रही है। यहां होने वाली बैठकों और नेताओं की गतिविधियों को अक्सर बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जाता है। नितिन नवीन का मसूरी दौरा कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने के साथ-साथ विपक्ष को यह संदेश देने का प्रयास भी माना जा रहा है कि पार्टी चुनावी तैयारी में किसी भी स्तर पर पीछे नहीं है। भाजपा और कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व की बढ़ती दिलचस्पी यह संकेत दे रही है कि उत्तराखंड का चुनाव राष्ट्रीय राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों दल संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को चुनावी मोड में लाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि आने वाले महीनों में राष्ट्रीय नेताओं के दौरे और बढ़ेंगे तथा चुनावी गतिविधि यां और तेज होंगी। अभी चुनाव में समय है, लेकिन नेताओं के दौरे, संगठनात्मक बैठकें और बढ़ती राजनीतिक सक्रियता यह साफ संकेत दे रही है कि उत्तराखंड में चुनावी बिसात बिछनी शुरू हो चुकी है। कांग्रेस प्रभारी के दौरे से पहले भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की मसूरी मौजूदगी ने राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है और दोनों दलों के बीच चुनावी प्रतिस्पर्धा की झलक अभी से दिखाई देने लगी है।

महिला को बचाते हुए युवक गंगा में डूबा, एसडीआरएपफका रेस्क्यू जारी

हमारे संवाददाता

देहरादून। फूलचट्टी में महिला को बचाते हुए एक युवक गंगा में डूब गया। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ का सर्च अभियान शुरू किया लेकिन दोपहर होते होते युवक का पता नहीं चल सका है। जबकि रेस्क्यू अभियान अभी जारी है।

बताया जा रहा है कि ऋषिकेश के फूलचट्टी क्षेत्र में आज सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। ग्वालियर से परिवार संग घूमने आए 30 वर्षीय शैलेन्द्र महावी गंगा नदी में डूबकर लापता हो गए। घटना सुबह करीब 9.30 बजे ह्यूंल नदी के मुहाने पर हुई। इस बात की जानकारी देते हुए एसडीआरएफ ढालवाला टीम के प्रभारी निरीक्षक कवींद्र सजवाण ने बताया कि शैलेन्द्र का परिवार फूलचट्टी के पास गंगा में स्नान कर रहा था। यह स्थान प्रशासन द्वारा असुरक्षित घोषित है और यहां स्नान प्रतिबंधित है। इसी दौरान परिवार की 33 वर्षीय महिला सदस्य रेनू गुर्जर अचानक तेज बहाव में बहने लगीं। उन्हें डूबता देख शैलेन्द्र बिना एक पल गंवाए बचाने के लिए नदी में कूद गए। महिला तो किसी तरह सुरक्षित बाहर आ गईं, लेकिन शैलेन्द्र नदी की गहराई और तेज धार में बह गए। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ ढालवाला की टीम रेस्क्यू उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची और सर्च अभियान शुरू किया। महिला को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। एसडीआरएफ की टीम संभावित क्षेत्रों में लगातार गहन तलाश कर रही है, पर समाचार लिखे जाने तक युवक का कोई पता नहीं चला है।

वायरल वीडियो प्रकरण में पुलिस को मिली बड़ी सफलता

तीन और आरोपी गिरफ्तार, छीना गया फोन बरामद

हमारे संवाददाता

चंपावत। सोशल मीडिया पर वायरल हुए टैक्सी चालक के साथ मारपीट, अभद्र व्यवहार, जान से मारने की धमकी देने एवं मोबाइल फोन छीनने की घटना में पुलिस लगातार प्रभावी कार्यवाही कर रही है। पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से छीना गया मोबाइल भी बरामद कर लिया है। मामले में एक और आरोपी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक रेखा यादव के निर्देशन मे थाना लोहाघाट व एसओजी की गठित विशेष पुलिस टीम द्वारा उक्त प्रकरण मे संलिप्त अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु अभियान चलाया जा रहा था।

उक्त क्रम मे थाना लोहाघाट व एसओजी पुलिस टीम द्वारा लगातार किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप मामले में 2 नामजद आरोपी वीरेन्द्र सिंह एवं मोहन चन्द को दिगालीचौड़ क्षेत्र, कोतवाली पंचेश्वर व 1 अन्य प्रकाश मे आया आरोपी कमल राम को लोहाघाट बाजार से गिरफ्तार उसके कब्जे से पीड़ित का छीना फोन बरामद किया गया व शेष एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है। (पूर्व में नामजद आरोपी हरीश सिंह बोहरा को गिरफ्तार किया जा चुका है)

बेरोजगार लैब तकनीशियन करेंगे 20 जून को मुख्यमंत्री आवास कूच

संवाददाता

देहरादून। बेरोजगार लैब तकनीशियन का धरना 29वें दिन भी जारी रहा जिसपर उन्होंने ऐलान किया कि उनकी मांगे पूरी नहीं हुई तो 20 जून को वह मुख्यमंत्री आवास कूच करेंगे।

आज यहां मेडिकल लैब टैक्नोलॉजिस्ट संघ के बैनर तले, एकता विहार स्थित ध रना स्थल पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे डिग्रीधारी बेरोजगार मेडिकल लैब तकनीशियनों का धरना 29 वे दिन भी लगातार जारी रहा। संगठन के अध्यक्ष आशीष चंद्र, महासचिव मयंक राणा और संगठन मंत्री अनुराग पंत ने बताया कि संगठन मुख्यमंत्री को अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु एक सप्ताह पूर्व वार्ता के लिए पत्र देकर अनुरोध किया गया था किंतु उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नही होने और धरने के 29 दिनों तक सरकार द्वारा सुध नही लिए जाने के कारण 20 जून को मुख्यमंत्री आवास कूच करने का निर्णय लिया गया है। संगठन पदाधिकारियों ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार द्वारा उनके लिए कोई स्पष्ट नीति नहीं बनाई गई जिससे आज हजारों लोग डिग्री लेने के बाद भी बेरोजगार बैठे हैं। 26 वर्षों से सेवानियमावली ना बनाये जाने से ना तो पद विज्ञापित हो पाए ना ही डिग्री धारी लैब तकनीशियनों हेतु कभी कोई भी भर्ती निकल पाई। वर्षों से उपेक्षित लैब तकनीशियन अब आर पार की लड़ाई लड़ने को तैयार हैं, लैब तकनीशियनों की चार सूत्रीय माँगें मानकानुसार पदों का सृजन, वर्षवार मेरिट के आधार पर सेवानियमावली बनाया जाना, आयु अहर्ता मे एकमुश्त छूट, सरकारी लैबों का निजीकरण बंद किया जाना को सरकार जबतक नही मान लेती तब तक आंदोलन एवं धरना निरंतर जारी रहेगा और आगे उग्र प्रदर्शन भी किया जाएगा। धरना स्थल पर, अध्यक्षआशीष चंद्र, महासचिव मयंक राणा, उपाध्यक्ष रणवीर बिष्ट, संगठन मंत्री अनुराग पंत, कोषाध्यक्ष देवेन्द्र दत्त , गणेश गोदियाल, प्रवीण सिंह पंवार, शरद पाल, प्रियंका, अखिलेश भट्ट, रजत नौटियाल, आशीष शर्मा, भगवती पुरोहित, दीपक भट्ट, सर्वेश वसिष्ठ, विनय उनियाल, अरुण बर्थवाल, मनोज नौटियाल, लोकेंद्र भट्ट, आदि कई डिग्रीधारी लैब तकनीशियन मौजूद रहे।

जाखन जोहडी रोड पर आये दिन लगता है जाम

संवाददाता

देहरादून। शहर ही नहीं राजपुर रोड भी जाम के झाम से अछूता नहीं है। जाखन जोहडी रोड पर आये दिन जाम से स्थानीय लोग परेशान है और अधिकारी कार्यालय में बैठकर जाम से जनता को निजात दिलाने की योजनाएं बनाने से पीछे नहीं दिखायी दे रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि उत्तराखण्ड निर्माण और उसके बाद दून को अस्थायी राजधानी घोषित होने के बाद से जैसे इस शहर की किस्मत में जाम नाम का शब्द जुड गया हो। जो भी अधिकारी यहां पर आता है तो उसकी पहली प्राथमिकता जाम से शहर को निजात दिलाने की रहती है। लेकिन कुछ दिनों बाद वह शांत बैठना ही मुनासिब समझता है और वह जाम को भुलना ही सही मानता है। कई अधिकारी आये और नये-नये प्रयोग किये किसी ने शहर में रस्सियां लगाकर जाम को सुधारने का काम किया तो किसी ने अपने कार्यालय में पार्क बनाकर लोगों को एकत्रित कर यातायात के नियमों का पाठ पढाने का काम किया लेकिन सब फेल हो गये और शांत बैठ गये। इसी तरह से शहर के जाम को सुधारने वाले अधिकारी शहर के बाहर लगने वाले जाम से कैसे जनता को निजात दिलायेंगे यह सोचने की बात है। अब बात शहर से सटे जाखन क्षेत्र की ही ले लो। जाखन में जोहडी गांव जाने वाले रास्ते व मुख्य जाखन में आये दिन जाम के झाम से लोगों को झूझना पडता है। आसपास के गांवों के लोग अपने घर जाने के लिए जो समय उनको शहर से जाखन तक आने में लगता है उससे ज्यादा समय उनको जाखन से अपने घर जाने में लगता है। जाखन से जोहडी गांव, आवास विकास कालोनी व जाखन गांव के लोग इस जाम से काफी परेशान हैं। जबकि उस रास्ते पर मुख्य सचिव का आवास है। कई स्कूल है जिसमें अधिकारियों के बच्चे पढते हैं और अधिकारी अपने बच्चों को लेने ले जाने आते हैं। क्या उनको यह जाम दिखायी नहीं देता या फिर वह इसको देखने की जहमत उठाने को तैयार नहीं हैं। अब देखना है कि जनपद के अधिकारी कब जाखन वासियों को इस जाम के झाम से निजात दिलायेंगे। या फिर इस क्षेत्र के लोगों को ऐसे ही यातायात व्यवस्था को अपनी किस्मत समझकर शांत बैठना होगा। क्योंकि अधिकारी अपने कार्यालय में पंखे के नीचे बैठकर योजनाएं बनाने के अलावा धरातल पर कुछ करने को तैयार ही नहीं है।

❑अधिकारी कार्यालय पर बैठ कर बना रहे योजनाएं, धरातल पर सब शून्य

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।